<u>उपेक्षितो की अनदेखी नहीं</u>

इस मुश्किल समय में, कुछ समय रुक कर उन लोगों के बारे में सोचते हैं जो कोविड से पहले ही जीने की कगार पर थे और कोविद की नई लहर ने इन लोगों को और अधिक गरीबी में धकेल दिया है... पहले से ही अदृश्य **ये** लोग जीवित रहने के लिए अपनी लड़ाई हार रहे हैं। अपनी ग्राउंड रिपोर्ट के इस अंक में हम उनकी गरिमा के बारे में बात कर रहे हैं और हम आप सभी से उनके साथ खड़े होने का आग्रह करते हैं। हमारे राहत कोविड कार्य के पिछले एक वर्ष में हम अपने बीच में कुछ छूटे हुए समुदायों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की कोशिश कर रहे हैं- यौनकर्मी**,** ट्रांस-जेंडर, विकलांग, एचआईवी संक्रमित, कुष्ठ रोगी एवं अन्य। यहां तक कि जब उनके साथ हमारा मध्य और दीर्घकालिक कार्य जारी है, तब भी भूख एक बड़ी संख्या में समस्या बनकर नजर आ रही हैं जिसके लिए हम सभी को कदम उठाना चाहिए।

हम ऐसा इसलिए करते हैं ताकि हम एक देश और एक समाज के रूप में हमारे साथ रहने वाले लोगों तक मानवता का भाव पहुंचाना ना भूलें।

मुख्य बिंदु

27 राज्यो एवम् केंद्र शासित प्रदेशों में

10,000 टन राशन एवम् अन्य जरूरत **की** चीजे पहुंचाई

260,000 किलोग्राम ताजा फल एवम् सब्जियां पहुंचाई

1050,000 मास्क

1,350,000 सैनिटरी नैपकिन

चिकित्सा संबंधी-

पी. पी. ई किट, ऑक्सीजन **कांसेंट्रेटर/ मेडिकल किट**

दिव्यान्ग

शारीरिक, मानसिक एवं **दृष्टि** विकलांगता एक बहुत बड़ा मुद्दा है जो समाज **के** लोगों **से अपने लिए एक** सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने के लिए गहरी प्रतिक्रिया की मांग करता है। दिल्ली, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओड़िशा एवं तमिलनाडु में पिछले कुछ महीनों से हम स्कूलों के साथ**,** विकलांग लोगों के साथ काम कर रहे हैं ताकि उनके बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा सके और दूसरे चरण में हम तत्काल आवश्यकता को पूरा करने के लिए खाद्य किट (राशन किट) पहुंचा रहे हैं जिससे भूख की तत्कालिक जरूरत को पूरा किया जा सके।

यौनकर्मी

भारत में बहुत सी महिलाएं अपनी आजीविका के एकमात्र साधन के रूप में यौन कार्य पर निर्भर है । उनके काम के इर्द-गिर्द कलंक, भेदभाव और हिंसा एक बड़ी एवं अलग चर्चा का विषय है लेकिन अभी उनकी सबसे बड़ी चुनौती आजीविका का नुकसान है। ओडिशा, दिल्ली, बिहार, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश में, हमारी टीमें उन तक खाद्य किट और स्वच्छता संबंधी आवश्यक चीजें पहुंचा रही हैं, और जब हमे उनकी अन्य प्रकार की समस्या या जरूरतों का पता पड़ता है तो हम उनके समाधानों पर भी कार्य करते हैं ।

ट्रांसजेंडर समुदाय

हम सभी अवगत है ट्रांसजेंडर समुदाय के संघर्षों से या उस लड़ाई से जो कि यह समाज अपने अस्तित्व एवं सम्मान के लिए लड़ रहा है |

महामारी की वज़ह से हुए इस लॉकडाउन में उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है **जैसे आ**जीविका की कमी, बुनियादी सुविधा**ओं का आभाव** , सरकारी योजनाओं, टीकाकरण और अलगाव केंद्रों में जगह ना मिलना **इत्यादि** जो कि दस्तावेजों की कमी के कारण हो रहा है। भारत के कुछ हिस्सों में **राशन** किट और पारिवारिक चिकित्सा

किट के साथ **सहयोग** करने के अलावा इस अद्‌भुत समुदाय को हमने **लोगों तक** राहत **सामग्री** पहुंचाने के लिए स्वयंसेवकों के रूप में शामिल करके उनकी लचीली भावना**ओं की क़द्र** करने का फैसला किया।

अगर हमे समाज मे स्वीकृति होती तो हमें किसी भी संसाधन के लिए कहीं भी भीख नहीं माँगनी पड़ती या सोशल मीडिया पर निर्भर नहीं रहना पड़ता, हम भी अपने परिवारों के साथ रहते।

करुणा (बदला हुआ नाम)

संघर्ष एक जीवन समिति (सदस्य)

एचआईवी संक्रमित लोग

एचआईवी संक्रमित बच्चों और महिलाओं की बड़े पैमाने पर **अनदेखी** न केवल कोविड में बल्कि **सामान्य दिनों में भी** की जाती **रही** है**,** जबकि हम उनके साथ **मध्यावधि** और दीर्घावधि में काम करने की कोशिश कर रहे हैं, काफी हद तक **ये वंचित** लोग और बच्चे कलंक और भेदभाव से मुक्त जीवन **जीने के अधिकारी हैं जो** समानता और सम्मान **से परिपूर्ण** हो**.** अभी इनकी **तात्कालिक** जरूरत है भूख **मिटाना** , हमा**रे** कोविड राहत कार्य **का मुख्य बिंदु** भारत के विभिन्न हिस्सों में **रह रहे** इन सभी लोगों तक राशन कीट पहुंचना **रहा है.**

कुष्ठ रोगी

पूरे भारत में 750 कुष्ठ कॉलोनियों में रहने वाले 20,000 लोगों को अदृश्यता और उपेक्षा में धकेल दिया गया है | जिसमें उनके लिए बुनियादी सुविधाओं जैसे स्वच्छ पानी, शौचालय, दैनिक दवाओं और पट्टियों की भी कमी है और यहां तक कि प्रतिदिन **के** भोजन तक **भी** पहुंच नहीं है, उनकी दुर्दशा का कोई अंत नहीं है। हमारे **इ**न प्रयासों का उद्देश्य भूख और स्वास्थ्य जैसे इन प्रमुख मुद्दों को संबोधित करना एवं अन्य कमियों को भरना है

कुष्ठ रोग के ज्यादातर मामलों में अल्सर के घावों के आसपास की पट्टियों को हर 2-3 दिनों में बदलना पड़ता है।

ज्यादातर जगहों पर योगदान आना बंद हो गया है जिससे इन लोगों को संघर्ष करना पड़ रहा है।

कलाकार एवं शिल्पकार

भारत अपनी कला और संस्कृति में रहता है और सांस लेता है, लेकिन कलाकारों और कारीगरों का समुदाय इस अमूल्य धन के अभिमानी संरक्षक दुनिया को ढूंढ रहे हैं जहां उनकी कला की खपत आश्चर्यजनक रूप से बदल गई है। गूँज **उनकी** कला और शिल्प को जीवित रखने के लिए उनके साथ कई स्तरों पर काम कर रहा है और इन्हें हमारी पहलों में शामिल किया जाता है , जैसे कि हमारे राहत किट में बांस की टोकरियाँ या कपड़े के थैले **शामिल किये जा रहे हैं** , साथ ही उनकी आजीविका का समर्थन करते हुए और उन्हें **राशन** किट और स्वच्छता **सम्बंधित** आवश्यकताओं **की पूर्ति की जा रही है**।

- **कार्य क्षेत्र से जानकारी:**

प्राथमिक सहयोग	अप्रैल 2020 से मार्च 2021	अप्रैल 2021 से मई 2021
राशन और अन्य आवश्यक सामग्री पहुंचाई गयी| परिवारों तक पहुंच तैयार भोजन चैनलाइज़ किया गया|	9,000+टन 435,000 360,000+	1000+ टन 17,500+ 17,500+
स्वास्थ्य रक्षा संबंधित पहल		
फेस मास्क सैनिटरी पैड	870,000 1,300,000+	185,000 71,000
साझेदारी		
संगठन जिनके साथ हम कार्य कर रहे हैं	500+	250+

राज्य जिनमे हम कार्य कर रहे हैं	27	27
किसानो से सीधे तौर से फल और सब्जिया खरीदी गयी।	225000+	40,000+

- **चिकित्सीय हस्तक्षेप**
  - आप अकेले नहीं हैं (स्वास्थ्य देखभाल केन्द्र)
  - 70,000+ परिवारो तक दवाइयों की किट पहुंचाई गई।
  - 9,500+ स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं को किट प्रदान की गई।
  - 30,000+ पी. पी. ई किट, ऑक्सीजन सिलेंडर/ कांसन्त्रेटर

- **कुल डिग्निटी फॉर वर्क (DFW) परियोजनाएं 8000+**
  - 1,500+ सब्जी बागान लगाए गए
  - जल संसाधन सहयोग
  - 400+तालाब
  - 800+ नहर
  - 1000+ निजी स्नानागार, एवम् शौचालयो का निर्माण |

हमारा साथ दें:

- सामग्री सहयोग के रूप में - https://bit.ly/2yR000h
- राशि सहयोग लिये- goonj.org/donate
- गूँज के लिए फण्डरेजिंग कैंपेन शुरू करने के लिए हमे jibin@goonj.org पर मेल करे।

- पिछली डिग्निटी डायरी को पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें: http://bit.ly/2K1JH3e

संपर्क करे :

मुख्यालय : J-93, सरिता विहार, नई दिल्ली - 76

011-26972351/41401216

www.goonj.org

mail@goonj.org